OM-11- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 08/08/2021 12:56 PM Page 10

नवरात्रि के नये आयाम

ब्र.कु.अनुज,दिल्ली

इस बार हो जाये शायद कुछ ऐसा चमत्कार नवरात्रि में। हमारा जो मन है वो समाज के बहुत सारे दायरों में बंधा हुआ है। आज हम आपसे कुछ ऐसी बातें करने जा रहे हैं जो समाज के लिए थोड़ा-सा ज़रूर कड़वा होगा, लेकिन सच्चा है। हम सभी चाहे वैशाख की नवरात्रि आये, चाहे सावन की। इन दोनों में एक चीज़ कॉमन है कि हम पांच-पांच महीने में, छह महीने में अपने आपको तैयार करते हैं उन बातों के लिए ताकि दुर्गा के लिए या फिर और देवियों के लिए कुछ ऐसी मांगनी रखी जाये। उनके सामने कुछ ऐसी बातें रखी जायें ताकि वो हमारी मांग पूरी कर सकें। और हम उन नौ दिनों के लिए प्रतिक्षा भी करते हैं। निश्चित रुप से ज़रूरी भी है। और हम करते भी रहते हैं। ऐसा भी नहीं है कि हम उसको छोड़ देते हैं। लेकिन एक कुंवारी कन्या और आज का समाज जिसमें बड़े-बड़े पूजा करने वाले, पाठ करने वाले समाज को नई-नई बातें, ऊंची-ऊंची बातें सिखाने वाले सब कुछ कर रहे हैं। और देवियों के सामने भी जब जाते हैं हमेशा कहते हैं कि हमारी दृष्टि, हमारा मन, हमारा भाव सबके लिए समान हो। भक्ति में भी एक चीज़ गाई जाती है उनकी, लेकिन आप एक चीज़ सोच के देखो जिस दुर्गा की, जिस काली की, कात्यायनी की या जिसकी भी हम पूजा कर रहे हैं, जिसके लिए भी ये व्रत, उपवास रख रहे हैं ये सारी चीज़ें क्या फलीभूत होंगी?

अगर हमारी दृष्टि, वृत्ति में परिवर्तन न हो तो! क्योंकि जिन देवियों की आप पूजा करते हो ना वही वो देवियां हैं, घरों में कहा जाता है कि एक कुंवारी कन्या 21 कुल का उद्धार करती है। आज वो कुंवारी कन्या कराह रही है। परेशान है, दुःखी है। हम अपने घर की देवी को पूरी तरह से असुरक्षित करके अपनी सुरक्षा के लिए वैष्णों दर्शन के लिए जाते हैं, विंध्याचल जाते हैं, ज्वाला देवी पर जाते हैं इतनी सारी जगहों पर जाते हैं। लेकिन क्या हमारी श्रद्धा, हमारा भाव, फलीभूत होगा! या कहें कि हमारी दुआ कबूल होगी! या हम जायेंगे तो लोग, देवी हमारा भाव समझेगी!

हम सभी एक वायब्रेशन से जीने वाले लोग हैं। हम सभी के अन्दर एक भाव होता है। और भारत में भावनायें बसती हैं लेकिन जब तक घर ही हमारा ठीक न हो, घर के लोग ही हमें पसन्द न करें तो बाहर के लोग पसंद करके क्या करेंगे! एक घर की जो भी छोटी-छोटी बच्चियां हैं, उन बच्चियों को आप ध्यान से देखो। एकदम असुरक्षित हैं। न पिता से सुरक्षित, न बेटा से सुरक्षित, न भाई से सुरक्षित, न चाचा-चाची से सुरक्षित। सब कोई डर-डर के जी रहा है, कराह रहा है तो इस समय जो आने वाला है पर्व नवरात्रि का, क्या एक नये तरीके से हम इसको नहीं मना सकते! उन देवियों को, उस घर की एक-एक बच्चियों को अपने सामने बिठाकर, उनके सामने... जितने भी हमसे उल्टे-पुल्टे कर्म हुए हैं, ऐसी कोई बातें हुई हैं जिससे हमारे अन्दर ऐसे-ऐसे भाव उत्पन्न हुए हैं उसके लिए क्षमा मांगे। उनके सामने क्षमा मांगकर इस बात से बाहर निकलें।

हम सच में जो हैं वो बताते और जताते नहीं हैं। बस नौ दिन व्रत रख लिया, उपवास रख लिया लेकिन विकारों का तो सन्यास या उपवास नहीं किया ना! तो हे मानव! एक जागृति लाओ। मन की जागृति लाओ ताकि समाज आपको हमेशा याद करे। जब तक आप सबके दिल में नहीं बसेंगे तो कोई भी देवी-देवता की पूजा-अर्चना करना,या कोई भी नवरात्रि का व्रत, उपवास रखना हमारे लिए शायद शोभनिक नहीं होगा।

तो आने वाला समय आपको याद रखे उसके लिए सम्मान करना शुरू करो। आपकी श्रद्धा और आपका भाव नैचुरल पहुंच जायेगा उस देवी और देवता के पास, जिसे आप भाव से याद करते हैं। समाज कभी भी इस बात को समझे या न समझे तो आने वाला समय हम सबको ज़रूर समझा देगा। चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। सब लोग पूजा भी कर रहे हैं, सारा कुछ कर रहे हैं लेकिन फिर भी असुरक्षित हैं। तो इस नवरात्रि में कुछ अलग तरीके से, जितनी भी हमारे सामने दृष्टि और वृत्ति की बात आती हैं, हमारा भाव आपके सामने हर कोई खुल के जिये इस तरह का कोई चमत्कार अगर कर दें आप तो शायद आपके जीवन में भी चमत्कार होने लग जायेंगे। तो इस बार का हमारा भाव यही है और यही शिकायत कि हम चाहे कितना भी घंटी बजा लें, चाहे कितना भी अगरबत्ती जला लें और कितना भी ऊंचे-ऊंचे स्वरों में आरती और वंदना गा लें लेकिन जब तक मन साफ नहीं होगा तब तक कोई भी देवी और देवता जो इतने पवित्र हैं, उनके इतने पवित्र भाव हैं वो हमको क्या देंगे। तो चलें इस अभियान में जुटें।

उपलब्ध पुस्तकें
जो आपके जीवन को बदल दें

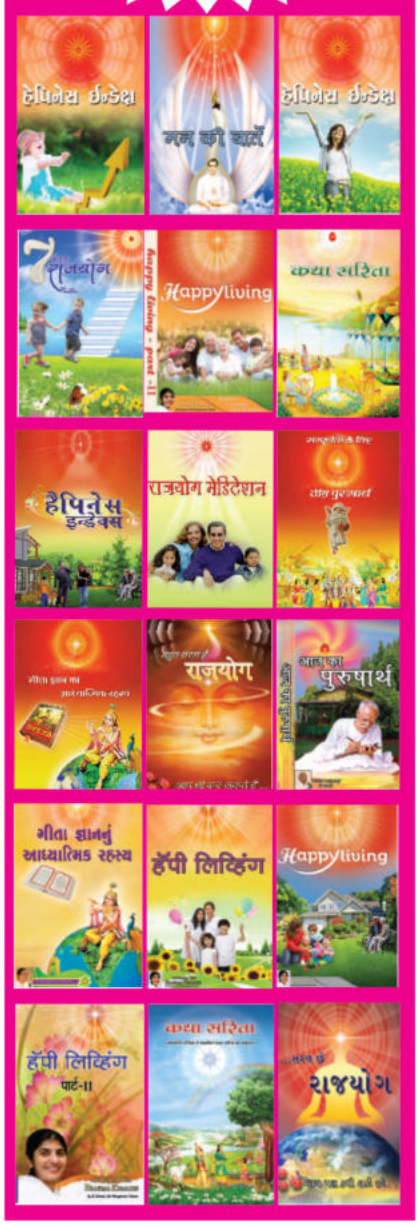

प्रश्न : मैं उज्जैन से हूँ। मेरी शादी को नौ साल हो गये हैं। मेरा एक आठ साल का बेटा है। पहले ही दिन से मेरी मेरे पति से नहीं बनती। मेरे मन में उनके लिए लवफुल फीलिंग्स नहीं हैं। उनकी छोटी-सी गलती पर भी मैं बहुत बैडली रिएक्ट करती हूँ। वो बहुत अच्छे इंसान हैं, मेरी हर बात को सहजता से लेते हैं, सहन कर लेते हैं। मेरे बेटे के लिए भी माँ जैसी फीलिंग्स नहीं है कि उसे प्यार करूँ, पालना दूँ। मैं पिछले कुछ समय से ब्रह्माकुमारीज़ के सम्पर्क में आई हूँ तो अभी मैं बहुत गिल्ट फील करती हूँ कि मैं ऐसी क्यों हूँ? मैं कैसे खुद में परिवर्तन लाऊं?

उत्तर : ये बहुत बड़ी चीज़ है कि आपने रियलाइज़ किया कि गलती आपकी है। पति तो जैंटल है, बहुत कुछ सहन कर लेता है। आपने अपने को परिवर्तन करने की इच्छा जाहिर की है ये आपकी महानता है। लेकिन आपके अन्दर प्यार की फीलिंग नहीं है न पति के लिए और न ही बच्चे के लिए। तो बिल्कुल स्पष्ट है कि आपको माँ-बाप का प्यार न मिला हो। या आपने स्टूडेंट लाइफ में जिससे भी प्यार किया हो उससे आपको धोखा मिला हो। लम्बाकाल हो सकता है पूर्व जन्मों में आपके साथ ऐसी कोई घटना घटी हो। नहीं तो बच्चे को तो कौन माँ प्यार नहीं करती तो निश्चित रूप से आपको बदलने की ज़रूरत है। अभी आप ब्रह्माकुमारीज़ के कॉन्टेक्ट में आई हैं धीरे-धीरे ज्ञान लें और अपने ज्ञान का विकास करें। सवेरे उठते ही आपको क्या करना है आपको उठते ही ऐसा संकल्प करना है कि मैं भगवान की संतान हूँ। वो प्यार का सागर है। मैं भी प्रेम स्वरूप हूँ। भगवान मातृ शक्ति को कहता है कि तुम एक-दो बच्चों की माँ नहीं, तुम तो जगत मातायें हो। तो आप इस कॉन्शियसनेस को बढ़ायें। मैं जगतमाता हूँ। मैं भगवान की संतान हूँ तो मेरे पास प्यार का भंडार है। मुझे पूरे संसार को प्यार बांटना है। बार-बार ये संकल्प करते रहें। सोचिए अगर वो आपको प्यार न करे तो कैसे लगेगा! मुझे भी अपने बच्चे और पति को बहुत प्यार करना है। उन्हें गुड फीलिंग देनी है। आपको ये रोज़ प्रैक्टिस करनी होगी। तो नैचुरली कुछ ही समय में आपकी भावनायें बदलेंगी। और परमात्म प्यार आपके मानस पटल पर, आपके हृदय में समा जायेगा।

प्रश्न : मैं करनाल से हूँ। मेरे बड़े भाई की उम्र 30 से ज़्यादा है। वो कुछ भी काम नहीं करना चाहता। उसके भविष्य को लेकर सभी चिंतित रहते हैं, उसके लिए क्या किया जाये?

मन की बातें
- राजयोगी ब्र.कु. सूर्य

उत्तर : ये क्या है कर्मों की गुह्य गति को अगर हम ध्यान में लायें तो वो आत्मायें आपसे हिसाब-किताब लेने आयेंगी। किसी ने हमको बहुत खिलाया-पिलाया हो, कोई कर्ज हमने लिया हो तो ये सब हिसाब-किताब चुक्तू होने के तरीके हैं। इन्हें हमें स्वीकार कर लेना चाहिए। परन्तु ये आवश्यक है कि वो बच्चा थोड़ा एक्टिव बने और कुछ कार्य करे। नहीं तो इससे जीवन डल हो जाता है। अगर आप योग अभ्यास करते हैं तो आप उस आत्मा को एक घंटा योग के अच्छे वायब्रेशन्स दें। 21 दिन तक आपको ये करना है। ताकि वो कर्मों का हिसाब-किताब चुक्तू हो जाये। जिसके कारण उसकी ये मनोस्थिति बनी। और दूसरा रोज़ सवेरे उठकर सबकॉन्शियस माइंड का प्रयोग उन पर करें। जब वो सोये हों उनको आत्मा देखकर तीन मिनट गुड वायब्रेशन दें और उसके बाद उनसे माइंड टू माइंड बात करेंगे। तुम बहुत अच्छी आत्मा हो, तुम बहुत एक्सपर्ट हो, तुम तो बहुत अच्छे काम करते हो। चलो अपने जीवन को संवारो। एक्टिव हो जाओ। अब कुछ अच्छे-अच्छे काम करो। आप कुछ काम करेंगे तो आपको खुशी होगी। तो उनका सब्कॉन्शियस माइंड जग जायेगा। ब्रेन को जगायेगा और उसके अन्दर इच्छा पैदा होगी कि मैं कुछ करूँ।

प्रश्न : मेरा नाम सोनल है। मैं नासिक से हूँ। मैं चार साल से ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ी हुई हूँ। मेरी प्रॉब्लम ये है कि मुझे अच्छी जॉब नहीं मिल रही है, बहुत कोशिशों के बाद कुछ नहीं हो रहा है। अगर कहीं जॉब मिलती भी है तो जो बेसिक ज़रूरतें हैं वो पूरी नहीं हो रही हैं। मैं क्या करूं कृपया करके सुझाव बतायें?

उत्तर : ये तो क्लीयर है कि जो व्यक्ति योग्य हो, जिसने बहुत अच्छी एजुकेशन प्राप्त की हो तो वो ज़रूर चाहेगा कि उसे कोई अच्छी जॉब मिले। लेकिन कुछ मनुष्य के पास्ट कर्म और कुछ निगेटिव थॉट्स, कुछ उसके अपने मन की उलझनें उसकी सफलता में बाधा बनती हैं। मैं आपको यही कहूँगा कि आप अपने मन को शांत करें। और अपने मन को पॉज़िटिविटी से भरें। जो आपकी ज़रूरतें हैं वो अपने परमपिता को समर्पित कर दें कि मेरी ये योग्यतायें हैं, ये मेरी नीड हैं मैं आपको ये समर्पित कर रही हूँ। अब आप ही रास्ता निकालो। पहले ये अच्छी मनोस्थिति बनाएं। क्योंकि मनोस्थिति श्रेष्ठ होते ही परिस्थितियां बदल जाती हैं। मैं आपको एक योग की विधि भी बता देता हूँ, आप सवेरे उठते ही सात बार संकल्प करें मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, विघ्नविनाशक हूँ और सफलतामूर्त हूँ। क्रम वाइस करना है। मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ वो शक्तियां एक्टिव हो जायेंगी। मैं विघ्नविनाशक हूँ, वो शक्तियां विघ्नों को नष्ट करने लगेंगी। सफलतामूर्त हूँ तो सफलता की ओर ले चलेंगी। फिर एक घंटा 21 दिन तक आपको योगाभ्यास भी करना है। ये तीनों ही संकल्प करके योगाभ्यास बहुत अच्छा हो, पावरफुल हो। जब आपका योग का अनुभव अच्छा होगा तो निश्चित रूप से आपको गॉडली ब्लैसिंग्स मिल जायेंगी। और आपके टैलेंट और एजुकेशन के अनुसार अच्छी जॉब भी मिल जायेगी।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com

मन की ख़ुशी और सच्ची शांति के लिए देखें आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड' और 'अवेकनिंग' चैनल